Regarding problems faced by investors of Sahara India Companies

श्री मनीष जायसवाल (हज़ारीबाग) : सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन को सहारा इंडिया के निवेशक करोड़ों लोग, जो गरीब थे, किसान थे, मजदूर थे, उन्होंने छोटी-छोटी रकम सहारा इंडिया में इनवेस्ट की ताकि वे बचत के रूप में अपनी चीजों का इस्तेमाल कर सकें । उनके बच्चों की शादी, उनका पढ़ना-लिखना, घर बनाना आदि सभी विषय इससे जुड़े हुए थे । हम सभी जानते हैं कि सहारा इंडिया का पैसा रुक गया है । मैं सरकार को धन्यवाद देता हूं कि सहारा इंडिया के पैसे को जब्त किया और अब लोगों को आशा है कि उन्हें यह पैसा मिलेगा । करोड़ों लोग हैं जो परेशान हैं और लाखों की संख्या में सहारा के एजेंट्स हैं जो अब भी लोगों को आश्वासन दे रहे हैं कि हम आपका पैसा दिलाएंगे । आज भी लोग उन एजेंट्स को परेशान कर रहे हैं ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से रिक्वेस्ट करता हूं कि पैसा लौटाने की प्रक्रिया को थोड़ा तेज करे और लोगों को राहत देने का काम करे ।

माननीय सभापति**:** श्री बैन्नी बेहनन ? उपस्थित नहीं ।

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल जी ।